

इंटरनेट की जानकारी होगी तो गलती से बचेंगे: एडीजी कपूर

नागरिकों को इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी होना जरूरी

इंदौर • राज न्यूज नेटवर्क

सायबर क्राइम की पूरी जानकारी होना चाहिए। इनकी जानकारी होने से ही हम इससे बच सकते हैं। इंटरनेट आज के समय में दैनिक कार्यों में शामिल हो गया है। इसके उपयोग के साथ ही सायबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। हम अलर्ट रहे तो सायबर क्राइम का शिकार होने से बच जाएंगे, इसके लिए जागरूकता बेहद जरूरी है। उक्त विचार एडीजी नारकोटिक्स वरूण कपूर ने व्यक्त किए। वे सहयोग अभियान के तहत कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन राजरतन ग्लोबल वायर लिमिटेड, पीथमपुर में किया गया। एडीजी कपूर ने उपस्थित सदस्यों को वर्तमान में घटित होने वाले सायबर अपराधों की जानकारी देते हुए कहा वर्तमान समय में कार्य करने वाले सभी कर्मियों को आधुनिक संचार उपकरणों का उपयोग दैनिक कार्यों में सतत रूप से करना होता है। ऐसे में सभी नागरिकों को इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी होना नितांत आवश्यक है, क्योंकि जानकारी होगी तो ही वे गलती करने से बचेंगे। वर्तमान में चाहे केंद्र अथवा राज्य शासन के शासकीय कार्यालय हों, कॉर्पोरेट/निजी क्षेत्र के कार्यालय हो, मीडिया का क्षेत्र हो, बैंकिंग, शेयर ट्रेडिंग, रेलवे या वायुयान सेवा आदि का क्षेत्र हो सभी जगह आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग हो रहा है,



इंटरनेट के माध्यम से सभी कार्यों को किया जा रहा है।

छोटी सी गलती बड़ा नुकसान : एडीजी कपूर ने कहा व्यक्तिगत जीवन में भी एंड्रॉयड मोबाइल पर वाट्सअप, ट्वीटर, फेसबुक आदि पर पूरी दुनिया से संपर्क में रहते हैं। ऐसी स्थिति में छोटी सी गलती से भी व्यक्तिगत अथवा संस्थागत नुकसान हो सकता है। इन सबसे बचने का मूल मंत्र है: जागरूकता। आज हम असली एवं काल्पनिक दुनिया में समानांतर रूप से कार्य कर रहे हैं, अतः इसके लिए बनाए गए सुरक्षा मानकों को

उसके अनुरूप अपनाना चाहिए और संभावित नुकसान से बचना चाहिए। इस अवसर पर बचाव के तरीके एवं तकनीक भी उपस्थितजनों को बताई गई। संस्थान के सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी कपूर ने देकर उनसे सीधा संवाद स्थापित किया गया। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक सुनिल चौरटिया, अनिल सिन्हा कारखाना प्रबंधक, पराग खानवलकर उपप्रबंधक मार्केटिंग व कुणाल देवमुरार मैनेजर प्रशासन व संस्थान के अन्य सदस्य उपस्थित थे। संस्थान की ओर से कपूर को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।